➤Postal Regd. No. MCN/298/2016-2018 ➤RNI No. MAHMUL/2015/65928

गऊ वंश पर आधारित प्रथम राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती भाषा में।

www.gaubharatbharati.com

संपादक - संजय शर्मा

गऊ भारत भारती

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पालघर, नाशिक, पुणे, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात में वितरित

मूल्य ₹/- रुपये

● Email: gaubharatbharti@gmail.com ● वर्ष- 7 ● अंक- 44 ● मुंबई, रविवार 17 अप्रैल 2022 से 23 अप्रैल 2022 ● पृष्ठ- 4

Deepak Farsan Mart Kurla

दीपक फरसाण मार्ट कुर्ला

595, Pipe Road, Opposite Deepak Farsan, Kurla (W), Kurla West, Kurla, Mumbai, Maharashtra 400070 Phone: 098195 52117

संक्षिप्त खबरें

बीएमसी ने युद्धस्तर पर शुरू किया मॉनसून का काम

आने वाले बरसात के मौसम के बीच बृहन्मुंबई नगर निगम मानसून से संबंधित काम कर रहा है। मुंबई के नाले में कीचड़ हटाने का काम चल रहा है। गुरुवार १४ अप्रैल को बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने इन कार्यों का निरीक्षण किया.

चहल के निरीक्षण के दौरान मीठी नदी से गाद हटाने सहित विभिन्न नालों की जांच की गई। बांद्रा कुर्ला परिसर क्षेत्र में बीकेसी कनेक्टर ब्रिज के पास केनरा बैंक कार्यालय के सामने नदी के काम का आकलन किया गया। इसके अतिरिक्त, बांद्रा में धीरूभाई अंबानी स्कूल के पास मीठी नदी के पश्चिम की ओर भी निरीक्षण किया गया।चहल के अलावा, अन्य संबंधित अधिकारियों में अतिरिक्त नगर आयुक्त (परियोजना) पी. वेलारसु, उपायुक्त (इन्फ्रास्ट्रक्चर) उल्हास महाले, मुख्य अभियंता, वर्षा जल संचयन विभाग, अशोक मेस्त्री शामिल थे। इस हफ्ते की शुरुआत में, मुंबई के उपनगरीय संरक्षक मंत्री, आदित्य ठाकरे ने सेंट जेवियर्स ग्राउंड, गांधी मार्केट पंपों और दादर में टैंकों में बारिश के पानी के टैंक के काम के बारे में बताया। ठाकरे ने ट्विटर पर विस्तार से बताया कि हिंदमाता जंक्शन पर भारी बारिश के साथ कम से कम ४ घंटे तक बाढ़ को रोकने के लिए यह कैसे किया जा रहा है।

मार्च २०२४ तक पूरा होगा इंदु मिल में डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर का स्मारक

दादर के इंदु मिल में डॉ. भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक पर काम मार्च २०२४ तक बढ़ा दिया गया है। कोरोना के कारण अंबेडकर स्मारक कनकाम बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रतिमा के चबूतरे पर काम अभी छह प्रतिशत ही पूरा हुआ है। चीन में बनने वाली बाबासाहेब की प्रतिमा अब दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के चलते दिल्ली, भारत में

बनेगइंदु मिल, दादर से डॉ. भारत रत्न। बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक पर काम मार्च २०२४ तक बढ़ा दिया गया है। कोरोना प्लेग से अंबेडकर स्मारक बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रतिमा के चबूतरे पर काम अभी छह प्रतिशत ही पूरा हुआ है। चीन में बनने वाली बाबासाहेब की प्रतिमा अब दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के चलते दिल्ली, भारत में बनेगी।एमएमआरडीए प्रशासन ने आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली को सूचित किया आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुंबई में अंबेडकर स्मारक के बारे में एमएमआरडीए प्रशासन से विभिन्न जानकारी मांगी थी। अनिल गलगली के मुताबिक, प्रोजेक्ट के १४ महीने पहले पूरा होने की उम्मीद थी, लेकिन ठेकेदारों ने इसमें देरी कर दी।

बिना दूध बेचे इस गौशाला से होती है हर माह ३२ लाख की कमाई!

राजकोट- देश में गौशालाओं को लेकर ये आम धारणा है कि इनको केवल दूध नहीं देने वाली गायों को शरण देने के लिए बनाया जाता है. इनको बिना किसी मदद के चलाना संभव नहीं है. गुजरात के राजकोट जिले के गोंडल कस्बे के रमेश रूपारेलिया ने इस मिथक को तोड़कर गो-पालन में सफलता की एक नई कहानी लिखी है. गिर गौ जतन संस्थान चला रहे रमेश रूपारेलिया इस बात की जिंदा मिसाल हैं कि कोई भी बाधा इंसान के हौसले और मजबूत इरादे के सामने ज्यादा देर ठहर नहीं सकती है. बचपन में गरीबी के कारण रमेश रूपारेलिया को पढ़ाई-लिखाई करने का खास मौका नहीं मिल सका. ७वीं कक्षा के बाद उनकी पढ़ाई छूट गई क्योंकि उनको घर का खर्च चलाने के लिए मजदूरी करनी पड़ी.

शायद ही कोई सोच सकता था कि मजदूरी करने वाला और एक कम पढ़ा-लिखा इंसान जिसके पास कोई खास जमीन भी नहीं हो, वह गो-पालन जैसे बिजनेस को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकता है. गिर गौ जतन संस्थान एक ऐसे ही प्रयास के सफल होने की जीती जागती मिसाल है. रमेश रूपारेलिया ने नै १८ से एक विशेष बातचीत में बताया कि उन्होंने २००८ में गिर गौ जतन संस्थान को पूरी तरह से व्यावसायिक तरीके से शुरू किया था. आज उनकी कंपनी के १५० गौ-आधारित उत्पाद १२४ देशों में बिकते हैं. उनकी कंपनी का सालाना टर्नओवर ४ करोड़ रुपये है. जिसमें से एक करोड़ रुपये निर्यात से आते हैं. रमेश रूपारेलिया का कहना है कि गौ आधारित उत्पादों में वैल्यू एडिशन करना और उनकी डायरेक्ट मार्केटिंग पर जोर देने से किसी भी गौशाला को मुनाफे के बिजनेस में बदला जा सकता है. इसके लिए वे लोगों को ट्रेनिंग देने का एक ६ दिनों का प्रोग्राम भी चलाते हैं.

गो-पालन को एक सफल बिजनेस मॉडल साबित करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए रमेश रूपारेलिया ने पहले तो अपने पुरखों के संचित ज्ञान का उपयोग किया और बाद में मार्केटिंग के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी को अपना औजार बनाने से भी परहेज नहीं किया. गिर गौ जतन संस्थान इस समय १०० लोगों को सीधे रोजगार दे रहा है. इसके कर्मचारियों का वेतन न्यूनतम ६ हजार रुपये

से लेकर १.६० लाख रुपये तक है. आज गिर गौ जतन संस्थान में १५० गिर गाएं हैं. जिनमें से केवल ४० दूध देती हैं. इसके बावजूद रमेश रूपारेलिया का गिर गौ जतन संस्थान लाभ कमा रहा है. अपनी गौशाला को बनाने के लिए रमेश रूपारेलिया ने पहले तो किराए पर जमीन ली. उस जमीन पर उन्होंने गो-पालन के साथ खेती की और जो मुनाफा हुआ उससे वही ४ एकड़ जमीन खरीद ली. इसके साथ ही रमेश रूपारेलिया ने अपनी गायों के चारे की जरूरतों को पूरा करने के लिए ३० एकड़ जमीन किराए पर ली है. गुजरात में नरेंद्र मोदी जब मुख्यमंत्री थे तो सरकार ने गो-पालन को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए किसानों को सहायता देने की योजना चलाई. जिससे तीन साल में गो-पालकों को १० से १५ लाख रुपये की मदद मिल रही थी. गुजरात गौसेवा आयोग और गोचर विकास बोर्ड के माध्यम से इससे भी रमेश रुपारेलिया को कुछ संसाधन हासिल हुए. फिर भी रमेश रूपारेलिया के लिए सब कुछ आसान नहीं रहा.

सबसे बड़ा गौ तस्कर अकबर बंजारा दबोचा गया, ७ साल में बन गया हजारों करोड़ की प्रॉपर्टी का मालिक, बांग्लादेश तक फैला है नेटवर्क

उत्तर प्रदेश के मेरठ का एक मामूली डाईवर गौ तस्करी करते-करते न सिर्फ एक हजार करोड़ की संपत्ति का मालिक बन गया बल्कि नॉर्थ ईस्ट में उसने तस्करी और गौवंश मीट का एक ऐसा सिंडिकेट भी बना डाला जिसका मायाजाल बांग्लादेश तक फैला है. उसके गैंग में १५० से ज्यादा सदस्य हैं. उसके इरादों के आगे नॉर्थ ईस्ट के बड़े-बड़े माफियाओं को घुटने टेकने पड़े. असम पुलिस ने उसपर दो लाख रूपये का इनाम भी घोषित किया.

यूपी में उसे कोई नहीं जानता लेकिन उसे नॉर्थ ईस्ट का डॉन कहा जाता है. आंध्र प्रदेश और असम में ही नहीं, बल्कि नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों में उसके एक इशारे पर कुछ भी हो जाता है. कभी वो गुनामी की जिंदगी जी रहा था लेकिन आज उसे लोग गौ तस्करी का बेताज बादशाह कहते हैं. उसका नाम अकबर बंजारा है.

मेरठ के फलावदा कस्बे का रहने वाला अकबर बंजारा कभी ड्राइवर हुआ करता था. वह गौ तस्कर बनने की हसरत लेकर असम चला गया और १५० तस्करों का गिरोह बना लिया. वह यूपी के मेरठ जिले के फलावदा कस्बे में पला बढ़ा और यहां की तंगहाल गलियों में जिंदगी बिताने के बाद ट्रक डाइवर से अब डॉन बन गया है. उसने कभी फलावदा नगर पंचायत

के सभासद का चुनाव जीता था. साल २०१५ तक अकबर बंजारा को कोई नहीं जानता था. उसने बडा नेटवर्क खड़ा करने के लिए कई सफेदपोशों से हाथ मिलाया जिनमें नार्थ इस्ट का रवि रेउडी भी शामिल है.

अकबर बंजारा को ये बात समझ आ गई थी कि गौ तस्करी के धंधे में रिस्क तो है लेकिन यदि उसकी गाड़ी चल निकली तो दुनिया उसे जानेगी. उसने असम में गौ तस्करी का छोटा सा काम करना शुरू किया फिर धीरे-धीरे उसके नाम की चर्चा होने लगी. तभी आंध्र प्रदेश से विदेशों तक गौ तस्करी का नेटवर्क चलाने वाले रवि रेड्डी को भी अकबर बंजारा का नाम सुनने में आया. बताया जाता है असम के एक और बड़े माफिया ने दोनों को एक दूसरे से मिलवा दिया. इसके बाद अकबर बंजारा के हाथ और मजबूत हो गए.

मेघालय, मिजोरम, असम सहित आसपास के क्षेत्रों में अकबर बंजारा की तूती बोलने लगी. मेघालय के रास्ते उसने बांग्लादेश तक गौ तस्करी शुरू कर दी. धीरे-धीरे वो करोड़ों और फिर अरबों की संपत्ति का मालिक बन गया. उसने कई सफेदपोशों से नजदीकी बढ़ा दी और उसकी धाक जम गई. इसी दौरान उस पर ईनाम घोषित कर दिया गया जो बढते-बढ़ते दो लाख तक पहुंच गया लेकिन वो कभी असम पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पाया.

नॉर्थ ईस्ट के सबसे बड़े किंग अकबर बंजारा को पकड़न मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी था. असम पुलिस ने नॉर्थ इस्ट के कई राज्यों में अकबर की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी लेकिन हर बार वो चकमा देकर भाग निकला. असम पुलिस कई बार मेरठ और फलावदा भी आई लेकिन हर बार मुखबिरी हो गई और बंजारा भाग निकला. फलावदा पुलिस ने अपना जाल बिछाया. मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया तो अकबर बंजारा के गिरोह का एक सदस्य पुलिस से मिल गया और उसी ने बताया कि अकबर बंजारा आज मेरठ आ रहा है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने अकबर बंजारा के भाई सलमान और शमीम को भी गिरफ्तार किया है.

गुरुग्राम में गौतस्कारों का तांडव, बचने के लिए चलती गाड़ी से जिंदा गायों को फेंका

गुरुग्राम: दिल्ली से सटे गुरुग्राम में गोतस्करों का तांडव देखने को मिला जहां गोतस्करों ने बचने के लिए चलती गाड़ी से जिंदा गाय को सड़क पर फेंकना शुरु कर दिया। इतना ही नहीं खुद को बचाने के लिए गोतस्करों ने बिना टायर के रिम पर ही अपनी गाड़ी २२ किलोमीटर तक भागते रहे। दरअसल शनिवार सुबह ५:०० बजे के आसपास गुरुग्राम के गौरक्षकों को जानकारी मिली कि दिल्ली से गाय की तस्करी कर एक गाड़ी गुरुग्राम में आने वाली है।

जैसे ही टाटा ४०७ दिल्ली से गुरुग्राम बॉर्डर पर दाखिल होती है तभी गोरक्षक टाटा ४०७ का पीछा करना शुरू कर देते है। गोरक्षकों को देखते की गोतस्कर अपनी गाड़ी भगाना शुरू करते हैं। गोतस्कारों का पीछा कर रहे गो रक्षक टाटा ४०७ का एक टायर भी पंचर कर देते हैं लेकिन इसके बावजूद गोतस्कर गाड़ी को रिम पर ही भागते रहे और गौरक्षों पर फायरिंग भी की। बेखौफ गोतस्कर इतने में भी नहीं रुके, खुद को बचाने के लिए गोतस्कारो ने ज़िंदा गायों को टाटा ४०७ से गुरुग्राम की सड़कों पर फेकना शुरू कर दिया ताकि गोरक्षक गोतस्करों का पीछा करना छोड़ दें।

इसी बीच गुरुग्राम पुलिस की हेल्पलाइन ११२ पर भी कॉल किया गया। भोंडसी थाना पुलिस ने थाने से १ किलोमीटर पहले ही बेरीकेट लगा कर टाटा ४०७ को रोकने की कोशिश की तो पुलिस बेरीकेट देख गोतस्करों ने अपनी गाड़ी रोकी और पुलिस से

बचने के लिए एक गोतस्कर फ्लाईओवर से कूद गया, एक गोतस्कर भागते हुए एक गाड़ी से टकरा गया। ऐसे करते गुरुग्राम पुलिस ने ३ गोतस्कर गिरफ्तार कर लिए, वहीं २ गोतस्कर भागने में कामयाब हो गए, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुग्राम पुलिस डीसीपी क्राइम (साउथ) के मुताबिक गुरुग्राम सेक्टर २९ से हमें जानकारी मिली कि कुछ लोग गोतस्करी कर रहे हैं जिसके बाद पुलिस टीम ने गोतस्कारों का पीछा किया और गोतस्कारों की गाड़ी को भोंडसी थाने के पास रोक लिया गया।

गौ सेवकों पर FIR करने से राज्यसभा सांसद नाराज, समर्थकों के साथ थाने में बैठे, भाजपाइयों को फंसाने का लगाया आरोप

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के बसंतपुर पुलिस द्वारा गौ तस्करी के मामले में भाजपा के ३ युवकों पर कार्रवाई किए जाने से भड़के

राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ थाने का घेराव कर दिया। सांसद थाने के गेट पर बैठ गए हैं। सांसद का कहना है कि जिन्हें पुलिस ने आरोपी बनाया है वे सभी गौ सेवक हैं। पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं को धमका रही है। रामविचार नेताम पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई और फर्जी केस को खत्म करने की मांग कर अड़े हैं। बता दें कि ३ दिन पहले बसंतपुर पुलिस की टीम ने गौ तस्करी के आरोप में आशीष दुबे, विकास श्रीवास और प्रियम दुबे नाम के ३ युवकों पर कार्रवाई की थी। इन पर गौ तस्करों से पैसा लेने का आरोप है। तीनों पर केस दर्ज कर जेल दाखिल भी कर दिया गया है। उसी से नाराज होकर राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम ने बुधवार को अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंच गए और गेट के सामने बैठ कर नारेबाजी करने लगे। सांसद नेताम ने कहा कि जिन युवकों के पर कार्रवाई की गई है वे स्वयं का पैसा खर्च पर गायों की सेवा करते हैं, लेकिन पुलिस की टीम यहां दुर्भावना से काम कर रही है।

सांसद रामविचार नेताम ने कहा कि ऐसा लग रहा है मानो छत्तीसगढ़ में इमरजेंसी लागू हो गया है। पुलिस की टीम भाजपा और भाजयुमो के पदाधिकारियों के घरों में दबिश देकर उन्हें धमका रही है। नेताम ने कहा कि जब तक इन पीड़ित युवकों को न्याय नहीं मिलेगा, वह आंदोलन करते रहेंगे। देर रात तक सांसद थाने के बाहर बैठे हुए हैं। इस संबंध में बसंतपुर पुलिस कुछ बोलने को तैयार नहीं है। पुलिस राज्यसभा सांसद के थाने में धरना-प्रदर्शन को किसी तरह खत्म करने की कोशिश में लगी हुई है। वहीं बलरामपुर एसपी आरके साहू ने कहा कि वे मामले की जानकारी ले रहे हैं।

व्यावहारिक नहीं है अखंड भारत को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत का दावा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दावा किया है कि अगले १५ साल में अखंड भारत का सपना साकार हो जाएगा. उनके ये दावा करते ही राजनीतिक हलकों के साथ ही मीडिया और सोशल मीडिया पर ज़ोरदार बहस शुरु हो गई है. हालांकि भागवत ने ये नहीं बताया कि १५ साल बाद बनने वाले अखंड भारत में कौन-कौन से देश शामिल होंगे. इसलिए इस दावे पर उठने वाले सवालों की फेहरिस्त काफी लंबी हो गई है. एक तरफ जहां अखंड भारत का सपना देखने वालों को अग्रिम बधाइयां मिल रहीं तो कई लोग इसे मुंगेरी लाल का हसीन सपना भी बता रहे हैं. बहरहाल मोहन भागवत के इस दावे की व्यावहारिकता पर बहस शुरू हो गई है.

सोशल मीडिया पर उठने वाले कुछ सवाल यें हैं. उस अखंड भारत में कौन-कौन से देश शामिल होंगे? तालिबान वाला अफ़ग़ानिस्तान भी होगा न? १५ साल तक इंतज़ार क्यों, १५ दिन में क्यों नहीं? अखंड भारत के लिए औरंगज़ेब जैसे शासक की ज़रूरत होगी! १५.५ फ़ीसदी मुसलमानों को नहीं सहने वाले क्या तब ४५ फ़ीसदी मुसलमानों को सह पाएंगे? मोहन भागवत के इस ताज़ा बयान पर चल रही बहस में कहीं गंभीरता है, तो कहीं हास्य-व्यंग्य का पुट भी है. वहीं राजनीतिक तौर पर इसकी आलोचना भी हो रही है. कुल मिलाकर इस बयान ने एक और बहस छेड़ दी है. कुछ लोग इसे पेट्रोल-डीज़ल के तेज़ी से बढ़ते दाम और इसकी वजह से बढ़ती महंगाई से ध्यान हटाने की साजिश भी मानते हैं. जो भी है माना जा रहा है कि भागवत का ये बयान धार्मिक मुद्दों पर समाज में पहले से ही बढ़ रही कटुता को और हवा दे सकता है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए अखंड भारत का एजेंडा हमेशा से सर्वोपरि रहा है. संघ हर साल १५ अगस्त को अखंड भारत संकल्प दिवस मनाता है. स्वतंत्रता दिवस के दिन आयोजित होने वाले इस आयोजन के दौरान संघ के स्वयंसेवक अखंड भारत के सपने को साकार करने का संकल्प लेते हैं. संघ के नेता अखंड भारत के बारे में जब तब खुल कर बात करते रहते हैं. लेकिन इस बार संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इसे लेकर सबसे बड़ा बयान दिया है. हरिद्वार के एक कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि सनातन धर्म ही हिंदू राष्ट्र है. इतना ही नहीं उन्होंने कहा, वैसे तो २० से २५ साल में भारत अखंड भारत होगा. लेकिन अगर हम थोड़ा सा प्रयास करेंगे, तो स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद के सपनों का अखंड भारत १० से १५ साल में ही बन जाएगा. इसे कोई रोकने वाला नहीं, जो इसके रास्ते में आएंगे वह मिट जाएंगे. दरअसल, १५ अगस्त

१९४७ को मिली आजादी को संघ परिवार खंडित आजादी मानता है. संघ प्रमुख मोहन भागवत और संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी पहले भी कह चुके हैं, कि देश का विभाजन उनके हृदय में शूल की तरह चुभता है. संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने २००९ में एक टीवी इंटरव्यू के दौरान अखंड भारत के सपने पर अडिग होने की बात कही थी. दरअसल संघ का मानना रहा है कि जब पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी एक हो सकते हैं तो तो फिर अखंड भारत क्यों नहीं? तीन दशक तक संघर्ष करने के बाद राम मंदिर का सपना पूरा हुआ. इसी तरह से वर्षों के संघर्ष के बाद कश्मीर से ३७० की विदाई हुई. इसका अर्थ है कि कोई भी काम असंभव नहीं है. संघ के लिए अखंड भारत की कल्पना सांस्कृतिक है. अयोध्या के मंच से प्रधानमंत्री मोदी भी सांस्कृतिक पुनर्जागरण की बात कर चुके हैं. लेकिन ये पहली बार है जब संघ के सरसंघचालक ने अखंड भारत के निर्माण की समय सीमा बताई है. उसके स्वरूप को बारीकी से समझाया है. लिहाज़ा भागवत के इस बयान के गहन विश्लेषण के साथ ही इसे बारीकी से समझने की ज़रूरत है.

संपादकीय...
संजय शर्मा

भारत और अमेरिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच हुआ सीधा संवाद दोनों देशों की एक-दूसरे के लिए अहमियत बताता है। दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता कई लिहाज से महत्त्वपूर्ण रही है। सबसे बड़ी बात यह कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत की तटस्थता से अमेरिका जिस तरह परेशान है, उससे यह संदेश जा रहा था कि इसे लेकर दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया है। इस वार्ता के साथ ही, दोनों देशों के बीच विदेश और रक्षा मंत्रियों के स्तर की 'टू प्लस टू' वार्ता भी संपन्न हो गई। तीसरी बात यह कि अगले महीने क्वाड की बैठक भी होगी। हाल की वार्ता ज्यादा महत्त्वपूर्ण इसलिए भी है कि इसमें भारत ने अमेरिकी नेतृत्व को अपने रुख से एक बार फिर अवगत करा दिया। भारत ने साफ कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर वह तटस्थता की नीति पर ही चलेगा। दरअसल, रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका लगातार इस कोशिश में है कि भारत तटस्थता की नीति छोड़ कर उसके साथ आ जाए। यूक्रेन के पक्ष में खड़े अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा रखे हैं। अमेरिका अपने सहयोगी देशों पर रूस से तेल नहीं खरीदने और उसके साथ व्यापार बंद करने का दबाव भी बना रहा है। ऐसा ही दबाव उसने भारत पर भी बनाया। कुछ दिन पहले अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने दिल्ली आकर भारत को चेताया भी था कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों को न मानने का मतलब समझे। तभी जापान के प्रधानमंत्री भी भारत आए थे।

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने भी प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शिखर बैठक की थी। अमेरिका की इन सारी कवायदों का मकसद यही था कि रूस के खिलाफ भारत उसके साथ खड़ा हो जाए। लेकिन हाल की वार्ता में भी भारत ने साफ कहा कि वह तटस्थता की नीति पर ही चलेगा। हां, यूक्रेन के बुच शहर में जो कत्लेआम हुआ, भारत उसकी निंदा करता है और इस घटना की जांच की मांग का समर्थन करता है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन दोनों के राष्ट्रपति से फोन पर बातचीत में शांतिकी अपील कर चुके हैं और यह सुझाव भी रखा कि दोनों राष्ट्रपतियों को सीधी बात कर समाधान निकालना चाहिए। भारत के रूस और अमेरिका दोनों के साथ सैन्य और कारोबारी रिश्ते हैं। रूस तो भारत का अमेरिका से भी पुराना दोस्त है। ऐसे में भारत दोनों से संतुलन बना कर चलता आया है। यही होना भी चाहिए। भारत की नीति में राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है। ऐसे में भारत क्यों किसी के दबाव में आएगा? रूस से एस-४०० मिसाइल प्रणाली खरीदने को लेकर अमेरिका का रुख हैरान करने वाला ही रहा है। भारत को जिससे ठीक लगे, उससे व्यापार करे, तेल खरीदे, हथियार सौदा करे। इसमें किसी का दबाव क्यों होना चाहिए? हालांकि सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता और न्यूक्लियर सप्लायर ग्रुप (एनएसजी) की सदस्यता के मुद्दे पर अमेरिका ने समर्थन दोहराने की बात कह कर अपनापन दिखाने की कोशिश की, जो वह पहले भी करता रहा है। मानवाधिकारों के मुद्दे पर भारत को घेरने की उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। सच तो यह है कि वैश्विक राजनीति में अमेरिका भारत की उपयोगिता समझ रहा है। इसीलिए उसने अपने चौगुटे में जापान और आस्ट्रेलिया के साथ भारत को भी रखा है। यह सही है कि दोनों देश शिक्षा, कारोबार, हथियार खरीद जैसे मामलों में एक दूसरे के सहयोगी हैं। पर वैश्विक दबावों और हितों के लिए अगर रिश्ते प्रभावित होने लगें, तो फिर 'बेहतर संबंधों' की बात बेमानी ही लगती है।

यूपी में १० लाख करोड़ निवेश लाने का लक्ष्य हुआ तय, सीएम योगी ने देखा उद्योग विभाग का प्रजेंटेशन

लखनऊः उत्तर प्रदेश में फरवरी, २०१८ में हुइ इन्वेस्टर्स समिट में यूपी सरकार को ४.६८ करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे। दूसरी बार सत्ता में आने के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार एक और बड़ी इन्वेस्टर्स समिट की योजना बना रही है। इस समिट में सरकार ने १० लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश लाने का लक्ष्य रखा है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने इंडस्ट्री विभाग के अफसरों ने प्रस्तुतिकरण में अगले १०० दिन, दो साल और पांच साल की कायर्योजना पेश की। इसके अलावा सरकार १०० दिन के भीतर एक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का भी आयोजन करेगी। इसमें अधिक से अधिक निवेश लाने का लक्ष्य तय किया गया है। प्रदेश में औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए इंडस्ट्री विभाग ने अगले १०० दिन के भीतर अटल औद्योगिक अवस्थापना मिशन शुरू करने का लक्ष्य रखा है। बैठक में मुख्यमंत्री ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में प्रथम स्थान पर लाने और प्रदेश का निर्यात दो लाख करोड़ रुपये तक करने का लक्ष्य दिया।

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी के साथ-साथ कई मौजूदा नीतियों में बदलाव भी होगा। इलेक्ट्रिक वाहन नीति, वेयरहाउसिंग० लॉजिस्टिक नीति, स्टार्टअप नीति, डेटा सेंटर पॉलिसी, डिफेंस ऐंड एयरोस्पेस नीति को अपडेट किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यीडा के मेडिकल डिवाइस पार्क के

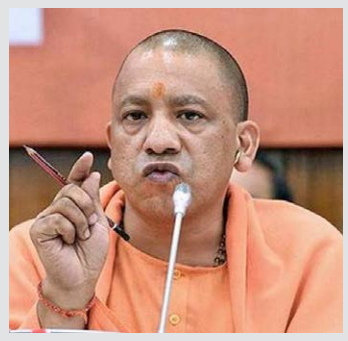

लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए। गोरखपुर में गारमेंट और प्लास्टिक पार्क को अगले दो साल में तैयार करने का लक्ष्य भी रखा गया है। यीडा में टॉय पार्क की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी अगले १०० दिनों के भीतर करवाई जाएगी। राज्य सरकार ने अगले पांच साल में २ करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन बांटने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना भेदभाव हर छात्र-छात्रा को टैबलेट और स्मार्टफोन उपलब्ध करवाए जाएं। २०२४ तक सभी ग्राम पंचायतों को इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस करने का भी लक्ष्य है। प्रदेश में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा देगी। यूपी को ग्लोबल टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित किया जाएगा। टेक्सटाइल सेक्टर में करीब ७५०० करोड़ रुपये का निवेश लाने की योजना पर काम होगा, जिससे ५ लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा उद्यमियों के लिए अगले तीन महीनों में ऋण मेले का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में संचालित नर्सिंग कॉलेजों में संविदा पर शिक्षक भर्ती किए जाएंगे। इन शिक्षकों की भर्ती तब तक के लिए की जाएगी, जब तक नियमित शिक्षक भर्ती नहीं हो जाते। संविदा पर शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के सम्बंध में सरकार ने शासनादेश जारी कर दिया है। प्रमुख सचिव आलोक कुमार की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि आयोग से नियमित शिक्षक मिलने में समय कम लग रहा है। ऐसे में जरूरी है कि शिक्षकों की उपलब्धता बनी रहे।

बेरोजगार होने के बाद यूट्यूब से सीखा नकली नोट छापने का तरीका

नोएडा : नोएडा के इकोटेक-३ थाना पुलिस ने शुक्रवार को नकली नोट छापकर मार्केट में चलाने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने १००-१०० के १४०० नकली नोट, एक लैपटॉप, एक प्रिंटर व अन्य सामान बरामद किया है। बताया गया कि इन युवकों ने बेरोजगार होने पर यूट्यूब पर नकली नोट बनाने की ट्रेनिंग ली और नोट छापने शुरू कर दिए। ईकोटेक-३ थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि हबीबपुर गांव में लगने वाली वीकली मार्केट में एक युवक नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने युवक को हबीबपुर स्थित के.के फूड के पास से पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने नकली नोट छापने की घटना कबूल कर ली। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की पहचान मूलरुप से खुर्जा देहात निवासी त्रिवेंद्र और मथुरा निवासी विकास सिंह के रूप में की है। फिलहाल ये दोनों नोएडा के छलेरा में रह रहे थे।

उन्होंने बताया कि २०१९ में त्रिवेंद्र और विकास ईकोटेक-३ स्थित एक कंपनी में काम करते थे। यहीं से दोनों की जान पहचान हुई थी। उसके बाद विकास गाड़ी चलाने लगा, लेकिन गाड़ी खराब होने के बाद वह बेरोजगार हो गया। विकास एक शातिर किस्म का व्यक्ति है। उसने नकली नोट के कारोबार में त्रिवेंद्र को शामिल कर लिया। विकास ने यू-ट्यूब पर नकली नोट बनाने की वीडियो देखी थीं। जिसे देखकर उसने खुद नकली नोट बनाने शुरू कर दिए।

सिपाहियों ने थाने में ही ७० हजार रुपये लूटे...मड़ियांव कोतवाली परिसर में प्रॉपर्टी डीलर को बनाया निशाना

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक थाने में सिपाहियों पर अपनी ही कोतवाली में लूट की घटना को अंजाम दिए जाने का आरोप लगा है। मड़ियांव में तैनात सिपाही अनिल सिंह और सुधीर सिंह ने अपने ही कोतवाली परिसर में प्रॉपर्टी डीलर अतुल सिंह से असलहे के बल पर ७० लाख रुपये लूट लिए। वारदात में कथित पत्रकार शिवांशु मिश्र व एक अन्य शख्स आकाश भी शामिल था। पुलिस ने केस दर्ज मड़ियांव कोतवाली में केस दर्ज कर दोनों सिपाहियों और कथित पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि आकाश फरार है।

एसीपी अलीगंज अली अब्बास ने बताया अतुल अपने परिवार संग रायपुर इलाके में रहते हैं। वह प्रॉपर्टी डीलर व ठेकेदारी का काम करते हैं। पैसों के लेनेदेन को लेकर अतुल का किसी पार्टी से विवाद चल रहा था इसकी

जानकारी मड़ियाव निवासी शिवांशु को थी। पीड़ित अतुल के मुताबिक १२ अप्रैल को वह जानकीपुरम की ओर जा रहा था। इस दौरान शिवांशु और एक कार में सवार कुछ लोगों ने ओवरटेक करके उसकी कार रुकवा ली।

साफ होंगे पार्क और चौराहे, लगेंगे डिजिटल होर्डिंग्स

लखनऊः उत्तर प्रदेश के शहरों को साफ-सुथरा और खूबसूरत बनाने के लिए ६० दिन के विशेष अभियान की शुक्रवार से शुरुआत हुई। नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने मेयरों और अफसरों को वर्चुअली संबोधित कर इस अभियान की शुरुआत की। इसके तहत पार्कों और चौराहों के सौंदर्यीकरण के साथ शौचालयों की सफाई की जाएगी। नगर विकास विभाग की ओर से शहरों की स्थिति में सुधार के लिए विशेष कायर्योजना तैयार की गई है। सरकार की ओर से शहरों की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी प्लानिंग तैया की गई है। मंत्री ने निर्देश दिया है कि जहां भी दो लेन या उससे चौड़ी सड़कें हैं, वहां जेब्रा क्रॉसिंग जरूर हों। मोहल्लों और चौराहों पर बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर सफाई सुपरवाइजर और इंचार्ज का नाम, फोन नंबर, कंट्रोल रूम का नंबर दर्ज हो। मुख्य जगहों पर डिजिटल होर्डिंग लगवाए जाएं। नगर विकास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री की इच्छा के अनुसार यह अभियान सभी ७५ जिलों में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में १,००० अमृत सरोवर बनाए जाएंगे।

खनन माफिया पर सख्त कार्रवाई, नदी के बीच बनी अस्थाई सड़क पर चला बुलडोजर

प्रयागराजः खनन माफिया पर प्रयागराज जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। प्रयागराज एडीएम प्रशासन और पुलिस की टीम के साथ नदी के बीच में बनाए गए रास्ते को जेसीबी मशीन के सहारे ढहा दिया गया। दरअसल जिला प्रशासन को शिकायत मिली थी कि, दो नदियों के बीच से रास्ता बना कर खनन माफियाओं ने खनन का काम जारी कर रखा था। इस मामले के सामने आने के बाद प्रयागराज डीएम संजय खत्री ने घटनाक्रम की जांच के आदेश दे दिए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज खनन माफियाओं पर एक बड़ा आरोप लगा है। प्रयागराज के झूसी इलाके के छिबैया सुमेरपुर कि कछारी इलाके में गंगा नदी के धारा के बीच से रास्ता बनाने जाने की बात सामने आई थी। यही नहीं खनन माफियाओं पर

देर रात इसी रास्ते के जरिए खनन का काम करने वाली गाड़ियां गुजरती थी।

ऐसा कहा जाता है खनन का काम प्रदेश सरकार द्वारा रोक लगाई गया है, फिर भी अवैध खनन का काम इसी रास्ते से किया जाता था। इसी मामले को लेकर मीडिया में काफी खींचतान मची उसके बाद जिला प्रशासन ने अपनी कार्रवाई का सिलसिला शुरू किया। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज झूंसी इलाके के छिबैया सुमेरपुर में गंगा नदी की धारा को कैद कर सड़क बनाए जाने के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। प्रयागराज डीएम संजय खत्री के आदेश पर गंगा नदी के धारा को रोककर अवैध रूप से बनाई गई सड़क को आनन-फानन में तोड़ दिया गया है।

गाय की पूरी शारीरिक संरचना विज्ञान पर आधारित है; जानें कैसे?

हम बीमार क्यों होते हैं इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है कि हमारा शरीर पंचभूतों से निर्मित है। मानव के अतिरिक्त मानव उपयोगी समस्त जीवों का भी शरीर भी पंचभूतों से ही निर्मित है। वर्तमान चिकित्सा पद्धतियाँ आज के समय रासायनिक तरीकों से चिकित्सा करती हैं, उन्हें पंचभूत को संतुलित करने का कोई ज्ञान नहीं है। आज के समय मानव निर्मित सारे पंचभूत चाहे वह मिट्टी हो, जल हो, वायु हो, अग्नि हो या आकाश हो सब कुछ दूषित हो चुका है।

हमारे महान ऋषि-मुनियों की प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों में पंचभूतो को ध्यान में रखकर चिकित्सा की जाती थी। हमें हमारे वातावरण के अनुरूप आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का ज्ञान हमारे ऋषि-मुनियों से मिला जो मानव की नाड़ी देखकर यह ज्ञात कर लेते थे कि हमारे शरीर का कौन सा पंचभूत असंतुलित है और उसके अनुरूप ही वो चिकित्सा करते थे।

विश्व में यदि कहीं भी चिकित्सा का ज्ञान सर्वप्रथम उद्भव हुआ तो वह हमारा देश आर्याव्रत भारत वर्ष ही है। सर्वप्रथम पूरे विश्व को ज्ञान हमारे महान ऋषि-मुनियों ने दिया चाहे वह अध्यात्मिक क्षेत्र हो या आयुर्वेदिक का क्षेत्र हो। यदि किसी भी व्यक्ति ज्ञान ना हो तो वह व्यक्ति उस ज्ञान को जानने का प्रयास करता है लेकिन यहाँ उल्टा हुआ। अनेक विदेशी लुटेरों ने हमारे ज्ञान को लूटा और हमारे अस्तित्व को मिटाने के लिए उसमे आग लगा दी। वर्षो तक हमारे ज्ञानपीठ गुरुकुल तक्षशिला की पुस्तके आग में धू-धू करके जलती रही, इतना ही नहीं बचा खुचा ज्ञान भी हमारी संस्कृति को भी नष्ट करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

अब प्रश्न यह उठता है जिस धरती को हम अपनी माँ मानते हैं उस धरती पर प्रतिदिन लाखों लीटर रासायनिक जहर डाला जा रहा है ..? ऐसा क्योंष्ठ? विदेशों से प्रतिवर्ष अरबों टन कचरे को लाकर हमारी धरती पर को मरुस्थल बनाया जा रहा है। क्या हमारी यही संस्कृति है कि हम अपनी माँ को जहर दें, उसे कूड़ाघर बनाकर दूषित कर दें। हमारे देव तत्व जल, अग्नि, वायु और आकाश सब कुछ दूषित हो चुके हैं।

पूरी नदियों में उद्योंगो के कचरे को डालकर गंदे नाले के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। वायु में असंख्य कीटनाशक रसायन, रेडियोएक्टिव पदार्थ डालकर वायु को दूषित किया जा रहा है। रेडियोएक्टिव तरंगो द्वारा आकाश तत्व को दूषित किया जा रहा है। हमारे शास्त्रों में लिखा है अनावश्यक रूप से अग्नि का प्रयोग ना करें, लेकिन चाहे हमें बीडी -सिगरेट जलाना हो या बड़े-बड़े उद्योग कारखाने चलाने हो, आवश्यकता हो या ना हो हमेशा अग्नि को जलाया जाता है।

इन सब तमाम बातों का हमारे स्वास्थ्य और चिकित्सा से गहरा सम्बन्ध है, हमारी संस्कृति और सभ्यता में जहाँ प्रकृति के संतुलन की बात कही गयी है वहीँ आज बिना कारण के भी दुरुपयोग करके पंचभूतों को दूषित किया जा रहा है। आज इस दूषित पंचभूत को ठीक करना मानव के बस की बात नहीं है फिर कौन करेगा इसे सहीष्ठ?

यह जिम्मेदारी हमसे अधिक सरकार की है लेकिन सरकार तो अंग्रेजी उपभोगों की आदी है उसको हमारे स्वास्थ्य से कुछ मतलब नहीं ष्ठ

यदि हमें स्वस्थ्य रहना है तो इस ओर हमें ही ध्यान देना होगा। इस सृष्टि में पंचभूतों को शुद्ध करने का एक ही विकल्प है वह है गौ-माता,

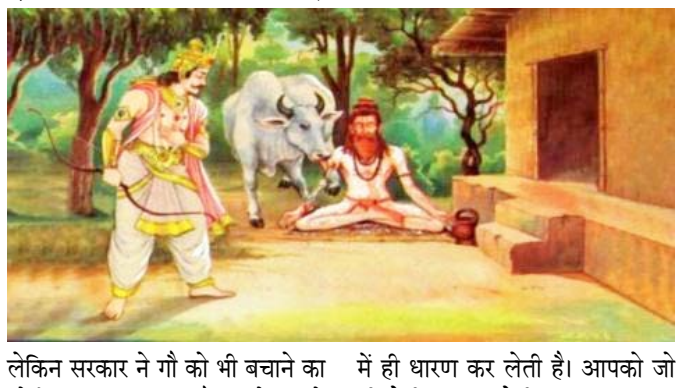

लेकिन सरकार ने गौ को भी बचाने का कोई प्रयास नहीं किया है इसको बचाने का कार्य हमें करना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब मानव का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा।

मानव को विमारियों से बचने के लिए २१इ आक्सीजन की जरुरत है। यदि शरीर में आक्सीजन की कमी हो जाती है तो कैंसर होता है। आजकल शहरों में बढ़ते प्रदूषण के कारण १४ -१५ इ से अधिक आक्सीजन नहीं मिलता है जिसके कारण शरीर को ना तो पूरा आक्सीजन मिलता है और ना ही शुद्ध रक्त। शरीर की कोशिकाएं तीव्रता से मरती हैं, जिनको पुनर्जीवित करना असंभव है।

गाय की पूरी शारीरिक संरचना विज्ञान पर आधारित है। गाय से उत्सर्जित एक-एक पदार्थ में ब्रह्म उर्जा, विष्णु उर्जा और शिव उर्जा भरी हुई है। गाय को आप कितने ही प्रदूषित वातावरण में रख दीजिये या कितना ही प्रदूषित जल या भोजन करा दीजिये गाय उस जहर रूपी प्रदूषण को दूध, दही, गोबर, गौ-मूत्र, या साँस के रूप में कभी बाहर नहीं उत्सर्जित करती है बल्कि गाय उसे अपने शरीर में ही धारण कर लेती है। आपको जो भी देगी विशुद्ध देगी।

गाय का गोबर : – गाय के गोबर में २३ इ आक्सीजन की मात्रा होती है। गाय के गोबर से बनी भस्म में ४५ इ आक्सीजन की मात्रा मिलती है। गाय के गोबर में मिट्टी तत्व है यदि आपको परिक्षण के लिए शुद्ध मिट्टी चाहिए तो गाय के गोबर से शुद्ध मिट्टी तत्व का उदहारण आपको कही नहीं मिलेगा। आक्सीजन भी भरपूर है यानि गोबर से ही वायु तत्व की पूर्ति हो रही है।

ङ यह ध्यान रखें कि गाय के गोबर की भस्म बनाने का एक तरीका है, तभी आपको परिष्कृत शुद्ध आक्सीजन तथा पूर्ण तत्व मिल पायेगा। गाय के गोबर की भस्म मकर संक्रांति के बाद बनायीं जाती है।

गाय का दूध :- गाय के दूध में अग्नि तत्व है। तथा इस दूध के भीतर ८५ इ जल तत्व है।

गाय की दही : – गाय की दही में ६० इ जल तत्व है। गाय की छाछ गाय के दूध से ४०० गुना ज्यादा लाभकारी है। इसलिए गाय के छाछ को अमृत कहा जाता है। इसमें इतने अधिक पोषक तत्व होते हैं कि आप सोच भी नहीं सकते है।

छाछ बनाने की अलग-अलग विधियाँ है। छाछ को किस जलवायु में कितनी मात्रा में पानी मिलाकर बनाना है इसका अलग-अलग तरीका है। तभी यह पूरा लाभ प्रदान करती है।

गाय का मक्खन : – गाय के मक्खन में ४०इ जल तत्व है। मक्खन अद्भुत है इसके अन्दर भरपूर ब्रह्म उर्जा होती है। ब्रह्म उर्जा के बिना मानव के अन्दर सत्वगुण नहीं आते हैं। विना सत्वगुण के सवेदनशीलता शून्य हो जाती है। मान लीजिये किसी ने गुंडेगर्दी से आपके गाल पर थप्पड़ मार दिया तो आपके अन्दर यदि संवेदनशीलता नहीं है तो आप वर्दास्त कर लेंगे अन्यथा आप उस थप्पड़ का जरुर जबाब देंगे।

आज बाजार में बटरआयल चल रहा यानि दूध से निकाली गयी क्रीम का आयल जो आपके भीतर संवेदनशीलता ख़त्म कर रहा है। भगवान् श्री कृष्ण ने मक्खन के कारण ही इतनी आसुरी शक्तियों का नाश किया।

वेदों में १३३१ बार गौमाता का जिक्र है!

चारों वेदों में गोमाता का सन्दर्भ १३३१ बार आया है. ऋग्वेद में ७२३ बार, यजुर्वेद में ८७ बार, सामवेद में १७० बार और अथर्ववेद में ३३१ बार, गाय का विषय आया है. इन वेद मत्रों में गोमाता की महत्ता, उपयोगिता, वात्सल्य, करूणा और गोरक्षा के उपाय तथा गो से प्राप्त पंचगव्य पदार्थो के उपयोग और लाभ का वर्णन है.वेदों में गाय के लिए गो, धेनु और अघ्न्या ये

तीन शब्द आये हैं. वेदों को समझने के लिये छः वेदांग शास्त्रों में से एक निरुक्त शास्त्र है. इसमें वैदिक शब्दों के अर्थो को खोलकर बताया गया है जिसे निर्वचन कहते हैं. 'हन हिंसायाम् ' धातु से हनति, हान आदि शब्द बनते हैं जिसका अर्थ हिंसा करना मारना है. गाय को अघ्न्या कहा है अर्थात् जिसकी कभी भी हिंसा न की जाये. शतपथ ब्राहमण में (७/५/२/३४) में कहा गया है-सहस्रो वा एष शतधार उत्स यदगौ: अर्थात भूमि पर टिकी हुई जितनी जीवन संबंधी कल्पनाएं हैं उनमें सबसे अधिक सुंदर, सत्य, सरस, और उपयोगी यह गौ है. इसमें गाय को अघ्न्या बताया गया है. तो अगर छोटे रूप में देखें तो यह वेदों में गाय का महत्व है. सभी ऋषियों ने बोला है कि गाय की हत्या नहीं करनी चाहिए किन्तु आज फिर भी देश में गाय अगर मर रही है तो उसके कुछ कारण हैं. आइये पढ़ते हैं उन्हीं ५ कारणों को जिनके कारण देश में गोहत्या कभी बंद नहीं हो पायेगी- १.जब तक राजनीति और वोट का मुद्दा गाय रहेगी.. जब तक गाय को लेकर देश में राजनीति होती रहेगी तब तक गाय हत्या पर रोक लगनी देश में असंभव कार्य है. तो ना गोहत्या पर राजनीति कहतं होगी और ना ही फिर गोहत्या कभी बंद होगी. २.देश के सभी लोगों में जब तक क्रांति नहीं आएगी.. वैसे गोहत्या बंदी तो मात्र एक ही दिन में बंद हो सकती है जब अगर सभी हिन्दू गाय को माता सिर्फ बोले नहीं बल्कि मानें भी और सड़क पर आ जाए. लेकिन ऐसा होगा नहीं और गौ हत्या खत्म होगी नहीं. ३.लोकसभा में कानून कौन पेश करे.. बड़े शर्म की बात है कि अगर गो-हत्या का कानून बन जाएगा तो इससे किसी को क्या तकलीफ होने वाली है.

AAP Announces 300 Units Free Power To Every Punjab Home, Congress Scoffs

Chandigarh: Punjab Chief Minister Bhagwant Mann today announced 300 units of free electricity each month for every household in the state from July 1.

Mr Mann said Scheduled Castes, backward castes, below-poverty-line households and freedom fighters currently getting free 200 units each month will now get 300 units of electricity monthly, adding that if their consumption is more than 600 units in two months, then they will be charged only for the exceeded units. The Chief Minister said for other households, if the electricity consumption exceeds 600 units in two months, then the consumer will have to pay for the entire power usage. Moreover, he said there would be no increase in the electricity tariff for industrial and commercial consumers while free power to the farming community would continue. The announcement comes as the Bhagwant Mann-led government in the state completed one month in the office today. Providing free electricity to every household for up to 300 units was one of the major promises made by AAP in the run-up to the Punjab Assembly polls.

AAP convener and Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal, in a tweet, lauded the Punjab government's decision to provide 300 units of free electricity to every household in the state and said that AAP does not make false promises, unlike other political parties.

Meanwhile, Punjab Congress chief Amrinder Singh Raja Warring took a potshot at the Chief Minister Bhagwant Mann and questioned the move referring to the conditions attached to it.

"The Proof of pudding is in the eating ..The truthfulness of your 300 unit free power will be tested in the details and conditions attached to it.. Best of luck to PSPCL who have to survive now, somehow," Mr Warring tweeted. The Proof of pudding is in the eating ..The truthfulness of your 300 unit free power will be tested in the details and conditions attached to it.. Best of luck to PSPCL who have to survive now, somehow. Punjab Chief Minister Bhagwant Mann last month announced the rollout of the doorstep ration delivery scheme, which was also AAP's key campaign agenda in the polls. Earlier on March 19, Mr Mann, in the first decision of his first Cabinet meeting, threw open 25,000 jobs in various state government departments, including 10,000 in the Police Department. In last month's Punjab Assembly polls, the AAP decimated the Congress, the Shiromani Akali Dal-Bahujan Samaj Party combine and the BJP-Punjab Lok Congress-SAD (Sanyukt) alliance. The Congress, which was in power in the state, got 18 seats in the 117-member assembly, while the AAP won 92 seats.

Prashant Kishor Meets Gandhis Amid Renewed Buzz About Joining Congress

New Delhi: Election strategist Prashant Kishor is in a meeting with Congress president Sonia Gandhi and senior leaders Rahul Gandhi and K C Venugopal amid speculation over him joining the party which has its back to the wall after a series of poll routs, sources said today.

Mr Kishor recently resumed negotiations with the Gandhis for a role in resurrecting the Congress ahead of the big polls ahead, including the 2024 general election. The two sides had earlier fallen out after several rounds of talks on teaming up.

Sources close to the strategist have countered the Congress's version that the talks are focused on the Gujarat election later this year. The Congress leadership and Prashant Kishor or "PK" are mainly discussing a blueprint for the 2024 national election, they have said. Elections in Gujarat or any other state will fall in line with PK's assignment and responsibility once the two sides arrive

at an agreement for 2024, the sources say. Congress sources, however, insist that Mr Kishor's latest pitch is a one-time offer to work only on the Gujarat elections. A key hold-up, reportedly, is PK's desire for a Big Bang approach as opposed to the Gandhis' wish to bring in incremental changes, without antagonising party leaders too much by giving the ace strategist solo charge of revamping the Congress. PK joining the Congress - instead of taking on an advisory role - is still a remote possibility, sources say. However, it cannot be ruled out, given his May 2 deadline of announcing his future role, but it all hinges on everyone concerned agreeing on Mission 2024.

Talks between Mr Kishor and the Gandhis collapsed last year, weeks after Mamata Banerjee's Bengal victory - in which the strategist played a big role. The Congress later signed up with a former associate of Mr Kishor to handle its election campaigns.

Despite Mr Kishor's sharp, public digs at the Congress, especially Rahul Gandhi, in the months after the breakdown, both sides have showed willingness for another shot at an understanding after the party's latest election defeats. The communication "never stopped", sources say.

There is a very real possibility, however, that Round 2 may also turn out to be a dud as neither side has changed their stance.

कांग्रेस ने महाराष्ट्र में कोयले की कमी, बिजली संकट के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराया

मुंबई- महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कम कोयला आपूर्ति के कारण राज्य में बिजली संकट पैदा हो गया है।

पटोले ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने राज्यों को कोयले का आयात करने को कहा है, लेकिन आयात से भारतीय जनता पार्टी के 'कुछ उद्योगपति मित्रों' को ही फायदा होगा और बिजली महंगी हो जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया, ''केंद्रीय कोयला मंत्री ने राज्यों को कोयले का आयात करने की सलाह दी है। हालांकि जब कोयले का आयात किया जाएगा तो इससे केवल भाजपा के कुछ उद्योगपति मित्रों को लाभ होगा और इससे बिजली और महंगी हो जाएगी तथा आम उपभोक्ताओं को इसका बोझ सहना पड़ेगा।'' कांग्रेस नेता कहा कि कोयला खदानों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोप झूठे पाये गये जो पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में लगाये गये थे। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की एक सोच थी और वह ऊर्जा विभाग को सशक्त करने को तैयार थे, लेकिन मोदी सरकार में कोई नयी कोयला खदान सृजित नहीं की गयी। उन्होंने कहा कि यह निजीकरण करने की चाल है। मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के सवाल पर पटोले ने आरोप लगाया कि कुछ पार्टियां इस मुद्दे को उठाकर राजनीतिक रोटियां सेक रहीं हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, ''एक ही धर्म पर निशाना क्यों साधा जा रहा है, जबकि सभी धर्मों के उपासना स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किया जा रहा है? संविधान आपको किसी धर्म से नफरत करने की सीख नहीं देता।''

अब मुंबई से ठाणे पहुंचना होगा आसान, बन रहा है संभावित रोड का ब्लू प्रिंट

मुंबई- साउथ मुंबई को सीधे ठाणे से कनेक्ट करने की योजना पर सरकार ने काम शुरू कर दिया है। आगामी तीन महीने में मुंबई से ठाणे पहुंचने वाले ट्रैफिक मुक्त रास्ते का ब्लू प्रिंट तैयार हो जाएगा। ब्लू प्रिंट तैयार होने के तीन महीने के भीतर प्री टेंडर प्रॉसेस पूरा करने की योजना है। ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बढ़ती ट्रैफिक की समस्या को ध्यान में रखते हुए एलिवेटेड ईस्टर्न फ्री वे के विस्तार की योजना बनाई गई है। सरकार ने घाटकोपर में छेड़ानगर जंक्शन से ईस्टर्न फ्री वे को सीधे ठाणे तक विस्तारित करने की योजना बनाई है। फ्री वे सीएसएमटी के करीब से शुरू हो कर चेंबूर के इंडियन ऑयल के करीब खत्म होता है। फ्री वे के ठाणे तक विस्तारित किए जाने के बाद ट्रैफिक जाम की समस्या से जहां लोगों को निजात मिलेगी तो वहीं कम समय में ही ठाणे तक पहुंच सकेंगे।

१६.८ किमी लंबे एलिवेडेड रोड को ठाणे तक विस्तारित करने के लिए सर्वे (फिजिबिलिटी स्टडी) करने की प्रक्रिया अप्रैल से आरंभ होगी। जुलाई के मध्य तक सर्वे का काम पूरा कर लिया जाएगा। अक्टूबर तक प्री टेंडर प्रॉसेस की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। फिजिबिलिटी स्टडी के तहत एलिवेडेड रोड का रूट क्या होगा, कितना खर्च आएगा, सड़क कितने लेन की होनी चाहिए, ट्रैफिक कैसा होगा समेत अन्य विषयों को भी शामिल किया जाएगा। एमएमआरडीए ने वर्ष

२०१४ में १६.८ किमी लंबा फ्री वे का निर्माण किया था। फ्री वे के जरिये साउथ मुंबई से वाहन चालक बगैर ट्रैफिक में फंसे सीधे चेंबूर तक कुछ ही मिनट में पहुंच जाते हैं, जबकि शहर के मध्य से होकर गुजरने वाली सड़क से पिक ऑवर में यह सफर तय करने में करीब एक से डेढ घंटे का समय लगता है। हालांकि चेंबूर में फ्री वे से उतरने के बाद वाहन चालकों को छेड़ानगर जंक्शन समेत अन्य स्थानों पर ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है। फ्री वे का विस्तार होने से ट्रैफिक जाम की समस्या से वाहनचालकों को निजात मिल सकेगी और ठाणे तक आसानी से पहुंच सकेंगे। एलिवेटेड ईस्टर्न फ्री वे के विस्तार योजना भविष्य की ट्रैफिक समस्या को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही है। मुंबई को नई मुंबई से जोड़ने के लिए शिवडी-न्हावासेवा ट्रांस हार्बर लिंक प्रॉजेक्ट भी साल २०२३ तक पूरा होने की उम्मीद है। समुद्र पर बन रहे २२ किमी लंबे मार्ग के बन जाने से रायगढ़, वाशी, पुणे की दिशा से बड़ी संख्या में वाहन सीधे साउथ मुंबई में दाखिल हो सकेंगे। ऐसे में भविष्य में यहां ट्रैफिक की समस्या विकराल रूप ले सकती है। इस वजह से साउथ मुंबई से ठाणे के बीच नया रास्ता तैयार बनाने की जरूरत महसूस हो रही है।

भाजपा के कुछ नेताओं को जेल भेज दिया होता तो महाराष्ट्र में ये हालात पैदा नहीं होते: खड़से

मुंबई- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता एकनाथ खड़से ने शुक्रवार को कहा कि अगर भाजपा के कुछ नेताओं को उनकी गलतियों के लिए जेल भेज दिया गया होता तो महाराष्ट्र में वर्तमान राजनीतिक स्थिति पैदा नहीं होती। गौरतलब है कि खड़से पहले भारतीय जनता पार्टी के सदस्य थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को कानून और तथ्यों के मुताबिक कार्रवाई करनी चाहिए। जलगांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राकांपा अध्यक्ष शरद पवार की उपस्थिति में खड़से ने यह कहा। उन्होंने कहा, 'मैंने वलसे-पाटिल साहब (महाराष्ट्र के गृह मंत्री) से कई बार उन्हें (भाजपा नेताओं को) सबक सिखाने को कहा। वे (भाजपा नेता) सैकड़ों मामलों में शामिल हैं। दो. चार (भाजपा नेताओं को) को जेल

भेज दिया होता तो यह स्थिति पैदा नहीं होती।'

हालांकि, खड़से ने यह नहीं बताया कि 'इस स्थिति' से उनका क्या तात्पर्य था, लेकिन परोक्ष रूप से उन्होंने ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा महा विकास आघाडी सरकार के नेताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई का हवाला दिया।

उन्होंने कहा, 'जो सच है उस पर कार्रवाई कीजिये। किसी को परेशान मत कीजिये। घृणा की राजनीति मत कीजिये। लेकिन उन्होंने जो किया है, उसके लिए उन्हें सजा दीजियेष्ठ यह लोगों की इच्छा है।'

पवार के घर के बाहर प्रदर्शन के दौरान ११ प्रदर्शनकारी नशे में थे -मुंबई पुलिस

मुंबई- मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि राकांपा प्रमुख शरद पवार के घर के बाहर प्रदर्शन करने वाले एमएसआरटीसी कर्मचारियों में कम से कम ११ नशे में थे। पुलिस ने यहां पेडर रोड पर पवार के सिल्वर ओक आवास पर आठ अप्रैल को हड़ताली एमएसआरटीसी (महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम) कर्मचारियों द्वारा किये गये प्रदर्शन के सिलसिले में अबतक मुख्य आरोपी गुणारत्ना सदावर्ते समेत ११६ लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना वाले दिन देर रात तक सदावर्ते समेत कम से कम १०३ लोग गिरफ्तार किये गये थे और उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया था जिस दौरान उनके रक्त नमूने लिये गये थे। उन्होंने कहा कि गामदेवी पुलिस को ८१ आरोपियों की जांच रिपोर्ट मिली हैं

जिनमें से ११ आरोपी नशे में थे। उन्होंने कहा कि बाकी की जांच रिपोर्ट का इंतजार है। इस जांच के बाद पुलिस ने सदावर्ते की पत्नी एवं वकील जयश्री को भी इस मामले में आरोपी नामजद किया है।

અમદાવાદમાં પ્રથમ તબક્કાની મેટ્રો ઓગસ્ટથી કાર્યરત થશે

અમદાવાદ- મહત્વાકાંક્ષી મેટ્રો રેલ પ્રોજેક્ટનો પ્રથમ તબક્કો આ વર્ષે ઓગસ્ટમાં શહેરમાં સંપૂર્ણ રીતે કાર્યરત થઈ જશે. ગયા અઠવાડિયે, રિસર્ચ ડિઝાઇન એન્ડ સ્ટાન્ડર્ડ ઓર્ગેનાઇઝેશન (RDSO) એ મેટ્રો રેલના ટ્રેક અને સિસ્ટમની તપાસ કરી અને તેની મંજૂરી આપી. એકવાર CMRS પ્રમાણિત થયા પછી, કામગીરી શરૂ થશે.

પ્રથમ તબક્કાની સેવાઓની શરૂઆત અમૃત મહોત્સવ સાથે થશે, જે આઝાદીના 75 વર્ષની ઉજવણી કરે છે. શરૂઆતમાં, દરેક ટ્રેક પર ત્રણ કોચ સાથે 32 જોડી ટ્રેનો દોડશે. તેમણે કહ્યું કે માગને જોતા કોચની સંખ્યા વધારીને છ કરવામાં આવશે. ટ્રેનની

ગ્યાસપુરથી જીવરાજ પાર્ક સ્ટેશન સુધી પશ્ચિમી પંથકમાં ટ્રેનનું ટ્રાયલ રન સફળતાપૂર્વક પૂર્ણ થયું છે. ગુજરાત મેટ્રો રેલ કોર્પોરેશનના વરિષ્ઠ અધિકારીએ જણાવ્યું હતું કે ટૂંક સમયમાં કમિશનર મેટ્રો સેફટી રેલ અંતમિ નરીક્ષણ અને મંજૂરી માટે આવશે. ફરિવન્સી પણ સવારી લેતા મુસાફરોની સંખ્યા પર નરિભર રહેશે.

39.26 કમિીના અમદાવાદ મેટ્રો ફેઝ 1 પ્રોજેક્ટમાં બે લાઇન અને 32 સ્ટેશનનો સમાવેશ થાય છે. 10,773 કરોડ રૂપયિાના અંદાજતિ ખર્ચે તેનું નરિમાણ કરવામાં આવી રહ્યું છે. 20.73 કમિી લાઈન-1 (પૂર્વ-પશ્ચમિ અથવા બ્લુ લાઈન) વસ્ત્રાલ ગામ અને થલતેજ ગામને વચ્ચેના 17 સ્ટેશનો સાથે જોડે છે. તેમાં ચાર ભૂગરભ સ્ટેશનો સાથે 6.5-કમિીનો ભૂગરભ વભિાગ છે. 18.87 કમિીની લાઇન 2 (ઉત્તર-દક્ષણિ કોરડિોર અથવા એપીએમસી વાસણાથી મોટેરા સુધીની રેડ લાઇનમાં 15 સ્ટેશન હશે.

સરકારે રૂ. 5384.17 કરોડના અંદાજતિ ખર્ચે 2 કોરડિોર ધરાવતા 28.254 કમિીના અમદાવાદ મેટ્રો ફેઝ 2 પ્રોજેક્ટને મંજૂરી આપી છે. ફેઝ 2 નો પ્રથમ કોરડિોર 2024 સુધીમાં કાર્યરત થવાની અપેક્ષા છે.

પશ્ચમિ રેલવેનો પાંચ વર્ષનો રેકોર્ડ બ્રેક: ટકિટિ ચેકંગિ ઝુંબેશમાં રૂ.19.35 કરોડની વસુલાત

વડોદરા- પશ્ચમિ રેલ્વેએ માર્ચ 2022માં માસકિ ટકિટિ ચેકંગિ ડ્રાઇવ દરમયિાન દંડ તરીકે 2.96 લાખ કેસમાં 19.35 કરોડની વસુલાત કરી છે. પશ્ચમિ રેલવે અનધકિૃત મુસાફરીને રોકવા માટે નયિમતિ ટકિટિ ચેકંગિ ડ્રાઇવ ચલાવી રહી છે. આ સઘન ઝુંબેશને કારણે, પશ્ચમિ રેલ્વેએ ટકિટિ ચેકંગિ દ્વારા માસકિ રેલ્વે આવક એકત્રતિ કરવાના છેલ્લા પાંચ વર્ષના રેકોર્ડને વટાવી દીધો છે. 2100 થી વધુ ટકિટિ ચેકંગિ સ્ટાફ સાથે પશ્ચમિ રેલ્વેએ માર્ચ, 2022 મહનિામાં ટકિટિ વગરની મુસાફરી અને બુક વગરના સામાનના લગભગ 2.96 લાખ કેસમાં રૂ.19.35 કરોડની વસુલાત કરી છે. પશ્ચમિ રેલ્વેના મુખ્ય જનસંપર્ક અધકિારી સુમતિ ઠાકુરની અખબારી યાદીમાં જણાવ્યું છે કે, એપ્રલિ 2021 થી માર્ચ 2022 દરમયિાન 18.87 લાખ કેસ મળી આવ્યા હતા, જેના પરણિામે 113.57 કરોડ આ ની વસુલાત થઈ હતી સમયગાળા દરમયિાન આરક્ષતિ ટકિટિના ટ્રાન્સફરના 9 કેસમાં રૂ.13000નો દંડ વસૂલવામાં આવ્યો હતો. 576 વ્યક્તઓિ સામે કાર્યવાહી કરવામાં આવી હતી અને 1,65,870 રૂપયિાનો દંડ ફટકારવામાં આવ્યો હતો તેમજ દંડ વસુલવામાં આવ્યો હતો. ટાઉટ અને અન્ય અસામાજકિ તત્વો સામે 339 તપાસ હાથ ધરવામાં આવી હતી, જેના પરણિામે 2033 વ્યક્તઓિની ધરપકડ કરવામાં આવી હતી અને લગભગ 2.19 લાખ રૂપયિાનો દંડ વસૂલવામાં આવ્યો હતો.

અંડરગ્રેજ્યુએટ નોન-પ્રોફેશનલ અભ્યાસક્રમો માટે આ વર્ષે કોઈ પ્રવેશ પરીક્ષા નહીં: રાજ્ય સરકાર

રાજ્યના શક્ષિણ વભિાગે નરિણય લીધો છે કે તે આ વર્ષે અંડરગ્રેજ્યુએટ નોન-પ્રોફેશનલ અભ્યાસક્રમોમાં પ્રવેશ માટે પ્રવેશ પરીક્ષાઓ યોજશે નહીં. માર્ચમાં યુનવિર્સટિી ગ્રાન્ટ્સ કમશિનએ તમામ કેન્દ્રીય યુનવિર્સટિીઓ માટે વદ્યિાર્થીઓને ધોરણ 12 ના ગુણના આધારે કોમન યુનવિર્સટિી એન્ટ્રન્સ ટેસ્ટ પર આધારતિ અંડરગ્રેજ્યુએટ અભ્યાસક્રમોમાં પ્રવેશ આપવાનું ફરજયિાત બનાવ્યું હતું. આ નયિમ આગામી શૈક્ષણકિ વર્ષ થી અમલમાં આવશે.

ગુરુવારે શક્ષિણ મંત્રી જીતુ વાઘાણી, શક્ષિણ વભિાગના અધકિારીઓ અને વવિધિ યુનવિર્સટિીઓના વાઇસ ચાન્સેલરો સાથેની બેઠક દરમયિાન આ નરિણય લેવામાં આવ્યો હતો. સૂત્રોએ જણાવ્યું હતું કે અધકિારીઓએ આવી પ્રવેશ પ્રક્રયિા કેવી રીતે દાખલ કરવી તે અંગે વીસીના અભપ્રિાયો લીધા હતા. માત્ર બે વીસીએ જણાવ્યું હતું કે યુજી નોન-પ્રોફેશનલ કોર્સમાં પ્રવેશ માટે ગુજરાતમાં પ્રવેશ પરીક્ષા હોવી જોઈએ જેથી રાજ્યના વદ્યિાર્થીઓ જો કેન્દ્રીય યુનવિર્સટિીઓમાં પ્રવેશ લેવા માંગતા હોય તો તેમને ફાયદો થાય. જો કે, અન્ય વીસીએ એમ કહીને સહમત ન હતા કે આવી કસોટી માટે યોગ્ય તૈયારી અને અમલીકરણ જરૂરી છે.

गऊ भारत भारती
परिवार
प्रकाशक/ प्रधान संपादक
संजय रमाशंकर शर्मा
सलाहकार संपादक
डॉ . विजय गुप्ता (कृषि वैज्ञानिक),
राजेश विक्रांत (स्तंभकार हिंदी दोपहर का सामना),
प्रेम कुमार (सलाहकार संपादक)
विशाल भगत (सलाहकार संपादक)
हेमलता त्रिपाठी (लखनऊ ब्यूरो प्रमुख)
संवाददाता- फिरोज खान, अब्दुल कादिर
विज्ञान विभाग- साई सामी ग्रुप
भूपेंद्र- फोटोग्राफर
पृष्ठ सज्जा- अमोल गुडेकर ग्राफिक्स
अनिल नलावडे- वितरण व्यवस्था
मंत्रालय वितरण- सुचित कुमार
सभी पद अवैतनिक है
संपर्क- गाला नं. 430, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, आर-5, 4था माला, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर (पश्चिम), मुंबई- 400104
मो- 9768372509.
:Lucknow Office:
132, FF, Ansal City Centre, China Bazar Road, Behind Tulsi Theatre, Hazratganj, Lucknow- 226001.

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान का बयान, कहा- सरकार दंगाइयों से करेगी नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात के मोरबी में हनुमान जी की १०८ फीट ऊंची प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि हनुमान जयंती के पावन पर्व पर आप सभी को और समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वहीं, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने चिथिरई उत्सव हादसे पर पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने तुरंत सीएम राहत कोष से मृतकों के परिवारों को ५ लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल हुए शख्स को २ लाख रुपये प्रदान करने का आदेश दिया। साथ ही देश की एक लोकसभा और चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों की मतगणना जारी है। इसमें पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट और छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और बिहार की एक-एक विधानसभा सीट शामिल है।

लोकनायक अस्पताल के श्रङ डा सुरेश कुमार ने कोरोना के हालात को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से पिछले कुछ दिनों में कोविड के मामले बढ़े हैं। पोजिटिविटी दर १ङ से ऊपर है। हमने देखा

कि ज़्यादातर मामलों में मरीज़ों को भर्ती होने की ज़रुरत नहीं है। अभी थ्व्ङ में केवल ६ लोग भर्ती हैं, इसमें एक बच्चा भी है। सभी मरीज़ स्थिर है। किसी को वेंटिलेटर की ज़रुरत नहीं है। हां, लोग लापरवाह हुए हैं। अब तक कोविड के नए वेरिएंट XE का एक भी नया मामला लोकनायक अस्पताल में देखने को नहीं मिला है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (गौरव) द्वारा राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद २०२२ को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण का विषय सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है। हम एक सकारात्मक चर्चा के जरिए पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। हम इस विषय पर एक कार्य योजना भी बना सकते हैं।

भाजपा नेता अग्निमित्र पाल ने उपचुनाव के नतीजों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमारी तरफ से कुछ कमियां थीं जिसके कारण हमें हार का सामना करना पड़ा। जनता का फैसला मान्य होगा। कुछ स्थानों पर धांधली के कुछ मामले देखे गए, लेकिन केंद्रीय बलों ने वास्तव में अच्छा काम किया। हम आने वाले दिनों में जमीनी स्तर पर काम करेंगे।

पशुपालकों के लिए फायदे का सौदा है जर्सी गाय, दूध बेचकर बन जाएंगे लखपति

भारत खेती-किसानी के बाद किसानों के लिए आय का सबसे बड़ा स्त्रोत पशुपालन ही है. इनमें भी सबसे ज्यादा पशुपालक गायों का ही पालन करते हैं. आमतौर पर

विशेषज्ञ पशुपालकों को सबसे ज्यादा जर्सी गाय के पालन की सलाह देते हैं. इस गाय को दुधारू गायों में एक माना जाता है. जर्सी गाय आमतौर पर रोजाना १२ से १५ लीटर दूध देने की क्षमता रखती है. बता दें कि जर्सी गाय की पहचान करना बेहद आसान होता है. इस गाय का रंग हल्का पीला होता है, जिस पर सफेद रंग के चित्ते बने रहते हैं. इसके किसी-किसी का रंग हल्का लाल या बादामी भी होता है. साथ ही इस गाय का सिर छोटा, पीठ एवं कन्धा एक लाइन में होते हैं. यानी जर्सी गाय लम्बे सींग और बड़े कूबड़ वाली नहीं होती हैं.

जर्सी गाय खुद को ठंड तापमान में अच्छी तरह से ढालती है. इन्हे अच्छे दूध उत्पादन के लिए ठंडी जलवायु की आवश्यकता पड़ती है. गर्म मौसम में खुद को ढालना उनके लिए मुश्किल होता है. इसलिए विशेषज्ञ इस गाय के अनुकूलताममान वाली परिस्थितियां बनाने की सलाह देते हैं. जहां आमतौर पर देसी गाय ३०-३६ महीने में पहला बच्चा देती है. वहीं, जर्सी गाय १८-२४ महीने में पहला बच्चा दे देती है. भारतीय गाय के मुकाबले ये गाय अपने पूरे जीवन में १० से १२ या फिर कभी-कभी १५ से अधिक बछड़ों को भी जन्म देती है. इसके अलावा जर्सी गाय बछड़े को जन्म नहीं देती है, यही वजह है पशुपालकों के लिए इस गाय का पालन करना मुनाफेदार होता है.

भारत से कारोबार समेट रही दुनिया की दिग्गज सीमेंट कंपनी, अडानी समूह खरीदार की रेस में

दुनिया की दिग्गज सीमेंट कंपनी होल्सिम लिमिटेड भारत से अपना कारोबार समेटने की तैयारी कर रही है।होल्सिम लिमिटेड भारत में अपने कारोबार की बिक्री के लिए कुछ संभावित खरीदारों के नाम पर मंथन कर रही है। संभावित खरीदारों की सूची में अडानी समूह के अलावा जेएसडब्लू भी शामिल है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती चरण की बातचीत की गई है,

ताकि उनकी रुचि के स्तर का पता लगाया जा सके। इस पूरे मामले पर होल्सिम की ओर से किसी भी तरह के बयान से इनकार कर दिया गया है। वहीं, अंबुजा सीमेंट से इस बारे में तत्काल कोई बात नहीं हो पाई है।

आपको बता दें कि होल्सिम की भारत की अंबुजा सीमेंट में ६३.१ फीसदी हिसेदारी है, जिसकी मार्केट वैल्यू करीब ९.६ अरब डॉलर है। अंबुजा के अलावा ACC सीमेंट भी होल्सिम लिमिटेड के अधीन आती है। ACC, अंबुजा की सब्सिडरी कंपनी है। अंबुजा सीमेंट के शेयर भाव की बात करें तो २.६४ फीसदी बढ़त के साथ ३६९.४० रुपए है। वहीं, मार्केट कैपिटल की बात करें तो ७३,३४९.७३ करोड़ रुपए है। इसके अलावर्ाँ ण्ण की बात करें तो शेयर का भाव १.१६ फीसदी बढ़त के साथा २२०७.१५ रुपए है। मार्केट कैपिटल की बात करें तो ४१,४५० करोड़ रुपए है। जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों ने अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों पर एक न्यूट्रल रेटिंग दी है, जिसमें संशोधित टारगेट प्राइस ३८० रुपए रखा है।

महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही बीजेपी: शरद पवार

शुक्रवार को एनसीपी नेता शरद पवार ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला। शरद पवार ने कहा- देश को चलाने वाली सरकार केंद्रीय एजेंसियों का महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में जमकर इस्तेमाल कर रही है क्योंकि उन्हें वहां किसी भी कीमत पर सरकार बनानी है। इस दौरान एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे पर भी करारा हमला बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि कुछ पार्टियां राज्य मे तनाव का माहौल खड़ा करना चाहती है। शरद पवार दरअसल एमएनएस के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें राज ठाकरे ने कहा था कि ३ मई तक राज्य के सभी मस्जिदों से लाउड स्पीकर हट जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो उनके

कार्यकर्ता मस्जिद के सामने लाउड स्पीकर लगाकर नमाज के टाइम पर हनुमान चालीसा और भजन चलाएंगे। एमएनएस को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में शरद पवार ने कहा कि ऐसी पार्टी के बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं जिसे चुनाव में जनता ने ही नकार दिया है। शरद पवार ने ये भी कहा कि शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस मिलकर महा विकास अंगाड़ी एक बार फिर २०२४ में चुनाव लड़ने जा रहे हैं। ईडी के छापे को लेकर शरद पवार ने कहा कि दो राज्यों में चुने हुए प्रतिनिधि बीजेपी को उन राज्यों में सरकार नहीं बनाने दे रहे इसलिए ये छापे पड़ रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ईडी ने शिवसेना सांसद संजय राउत से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की थी। इन छापों को लेकर शरद पवार ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर कहा था कि वरिष्ठ सांसदों के साथ अन्याय किया जा रहा है। शरद पवार ने पीएम ऑफिस में जाकर पीएम मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उनके साथ लोक सभा सदस्य पीपी मोहम्मद फैजल भी थे।

जब रतन टाटा ने पूछा ये सवाल, जिसे सुनकर नितिन गडकरी भी चौंक गए

मुंबई: देश के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने भाषणों में कोई ना कोई पुरानी बात का जिक्र जरूर छेड़ते हैं। गुरुवार को भी उन्होंने एक ऐसे ही प्रसंग का जिक्र किया, जो देश के जाने माने उद्योगपति रतन टाटा से जुड़ा हुआ है। दरअसल नितिन गडकरी ने वह

वाकया याद दिलाया जब रतन टाटा एक ऐसा सवाल पूछ लिया था। जिसे सुनकर नितिन गडकरी भी चौंक गए थे। आइये जानते हैं पूरा मामला क्या है। रतन टाटा की सादगी, कर्मचारियों और जनता के प्रति नेक भावना से हर कमोबेश हर कोई परिचित है। नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि जब वह महाराष्ट्र सरकार में मंत्री थे। तब उनसे आरएसएस के एक पदाधिकारी ने रतन टाटा को एक अस्पताल के उद्घाटन समारोह में बुलाने के लिए आग्रह किया था। जब रतन टाटा अस्पताल के उद्घाटन के लिए पहुंचे। तब उन्होंने एक ऐसा सवाल पूछ लिया जिसे सुनकर मैं चौंक गया था। दरअसल रतन टाटा ने मुझसे पूछा की क्या यह हॉस्पिटल सिर्फ हिंदुओं के लिए है। जिस पर मैंने उनसे कहा कि आपको ऐसा क्यों लगता है? नितिन गडकरी के सवाल पर रतन टाटा ने कहा क्योंकि यह अस्पताल आरएसएस का है। तब गडकरी ने कहा कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। यह अस्पताल समाज के सभी समुदायों के लिए है। उन्होंने कहा कि आरएसएस में इस तरह की कोई भी चीज नहीं होती है। यह बात गडकरी ने पुणे में एक अस्पताल के उद्घाटन समारोह में बताई है। महाराष्ट्र और देश में नितिन गडकरी को एक दूरदर्शी नेता के रूप में जाना जाता है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहते हुए वो कर दिया दिखाया जिसके बारे में किसी ने तब सोचा भी नहीं होगा। अपने कार्यकाल में उन्होंने मुंबई-पुणे एक्सप्रेस हाईवे समेत दर्जनों फ्लाईओवर बनवाये थे।

राज ठाकरे पर भतीजे आदित्य का निशाना, कहा- लाउडस्पीकर नहीं, महंगाई का मुद्दा उठाएं

मुंबई- मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों की आवाज कम करने और उन्हें हटाने का अभियान छेड़ने वाले राज ठाकरे पर उनके भतीजे और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे ने तंज कसा है. आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि लाउडस्पीकर

हटवाने के बजाय उन्हें (राज ठाकरे को) बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाना चाहिए. पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के बारे में बोलना चाहिए. उन्हें हाल के २-३ वर्षों पर ध्यान देना चाहिए, न कि पिछले ६० साल पर.

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने २ अप्रैल से ही मस्जिदों में लाउडस्पीकर के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है. उनकी मांग है कि सरकार सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए क्योंकि इनसे दूसरे लोगों को परेशानी होती है. उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए तो उनके बाहर स्पीकर पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाई जाएगी. राज ठाकरे के इस ऐलान के बाद महाराष्ट्र में कई जगहों पर मनसे कार्यकर्ताओं ने लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाई. यहां तक कि दादर में शिवसेना मुख्यालय के बाहर भी गाड़ी के ऊपर लाउडस्पीकर लगाकर पहुंच गए. इस मामले में पुलिस ने गाड़ी को जब्त करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है.

सरकार की तरफ से तमाम बयान और चेतावनियों के बावजूद १२ अप्रैल को राज ठाकरे ने ठाणे में रैली के दौरान मस्जिदों को हटाने के लिए सरकार के नाम अल्टीमेटम जारी कर दिया. उन्होंने कहा कि अगर ३ मई तक लाउडस्पीकर नहीं हटे तो पार्टी कार्यकर्ता मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाना शुरू कर देंगे.

राज ठाकरे की इस मुहिम का शिवसेना, एनसीपी, कांग्रेस के तमाम नेता विरोध कर चुके हैं. शिवसेना नेता संजय राउत ने तो राज ठाकरे को बीजेपी का लाउडस्पीकर करार दे दिया था.

बच्चों को अपने माता-पिता व दादा-दादी से प्यार और दुलार पाने का हक

मुंबई- बांबे हाई कोर्ट ने कहा है कि बच्चों को अपने दोनों माता-पिता और दादा-दादी से प्यार-दुलार पाने का हक है और यह उनके व्यक्तिगत विकास व भले के लिए जरूरी भी है। इसी के साथ हाई कोर्ट ने पुणे निवासी एक व्यक्ति और उसके माता-पिता को बच्चों से मिलने की इजाजत दे दी। जस्टिस अनुजा प्रभुदेसाई की एकल पीठ ने बुधवार को यह आदेश जारी किया और इसकी प्रति गुरुवार को उपलब्ध कराई गई। जज ने कहा कि बच्चे माता या पिता जिसके पास नहीं रह रहे हैं, उस

माता या पिता को अपने बच्चों के साथ अच्छा समय बिताने से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत उस व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसका दावा है कि जून, २०२० से उसे अपने बच्चों से नहीं मिलने दिया गया है। याचिकाकर्ता के वकील अजिंक्य उदाने ने कहा कि बच्चों के दादा अस्वस्थ थे और इसलिए वह अपने पोते-पोतियों से मिलना चाहते थे। उदाने ने अदालत को बताया कि हाई कोर्ट के मार्च, २०२२ के आदेश के बावजूद बच्चों की मां ने उनकी जन्मतिथि पर भी उनके पिता से नहीं मिलने दिया। इससे पहले बांबे हाई कोर्ट ने एक आदेश में तलाक होने के बाद पत्नी द्वारा पति को ३,००० रुपये महीने अंतरिम भरण पोषण के तौर पर देने के निचली अदालत के आदेश को सही ठहराया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा-२५ के तहत पति पत्नी दोनों को एक दूसरे से भरण पोषण मांगने का अधिकार है। तलाक होने के बाद भी पति व पत्नी एक दूसरे से भरण पोषण दिलाने की मांग कर सकते हैं और कोर्ट इसका आदेश दे सकता है। कानून की इस व्याख्या ने भरण पोषण के कानूनी अधिकार को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है।

RNI No. MAHMUL/2015/65928
मो.: 9768372509
गऊ वंश पर आधारित प्रथम राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती भाषा में।

गऊ भारत भारती
आर-5, 4था माला, गाला नं. 430, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर स्टेशन (पश्चिम), गोरेगांव, मुंबई- 400104 ईमेल- gaubharatbharti@gmail.com www.gaubharatbharati.com

क्या आप गौ माता के प्रॉडक्ट बनाते है पुरे भारत में मार्केटिंग और वितरण लिए संपर्क करे

गऊ भारत भारती

Email - gaubharatbharti@gmail.com
फोन - 8850 33 7237
व्हॉट्सअॅप नंबर - 79774 21335

Gaukkart
GAUKKART IS AN INDIAN E-COMMERCE COMPANY

अपील
स्थापना दि. 19-12-2002 रजि नं. 12344/एफ/7802/सोलापूर

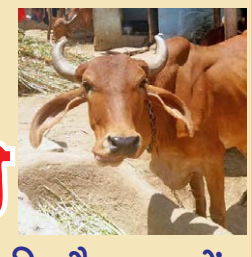

श्री राधे कृष्ण गौशाला
को इस समय दान की बहुत आवश्यकता है पूरी गौशाला में चारे-पानी की बहुत कमी है। सभी गौभक्तों से निवेदन है कि इस गौशाला को मदद करें।

श्री शामराव विठ्ठल बाबर
संस्थापक
९३२४०८४९३१

Bank of India
071920100000076
(IFSC Code: BKID 0000719)
Central Bank 3167615243
(IFCS Code: CBINO282523)
Pan No.: AABAR3881N
shriradhekrishngoushala@gmail.com
www.shreeradhekrishnagoshala.in

अपीलकर्ता
गऊ भारत भारती

यह साप्ताहिक स्वामी मुद्रक व प्रकाशक संजय रमाशंकर शर्मा द्वारा सोमानी प्रिंटींग प्रेस, गाला नं. ३/४, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला'क्रॉस रोड नं. २, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- ६३, महाराष्ट्र से मुद्रित करवाकर, इर्ला सोसायटी रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), मुंबई- ४०० ०५६ महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
■ संपादक - संजय रमाशंकर शर्मा, संपादकीय कार्यालय- आर-५, ४था माला, गाला नं. ४३०, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर स्टेशन (पश्चिम), गोरेगांव, मुंबई- ४००१०४ मो- ९७६८३७२५०९. फोन- ०२२-६९९९९४६६
■ कानूनी सलाहकार- अॅड. देवेंद्र सिंह / अॅड. सुरेश पांडेय (किसी भी विवाद का न्यायालय क्षेत्र मुंबई होगा) इस अख़बार में प्रकाशित लेख, समाचार से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। ■ gausevatimes@gmail.com ■ Email: gaubharatbharti@gmail.com RNI No. MAHMUL/2015/65928